महत्वपूर्ण एवं खास

महिला से मारपीट

रायपुर (आरएनएस)। सेक्टर 3 देवेन्द्र नगर में एक युवक ने जबरन महिला के घर प्रवेश कर गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर 3 देवेन्द्र नगर निवासी प्रार्थिया आरती जांगड़े 26 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपेली संजय जाल जबरन प्रार्थिया के घर प्रवेश कर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज पुलिस ने आरोपी को धारा 452, 294, 506, 323 के तहत हिरासत में लिया है।

महिला को दी जान से मारने की धमकी

रायपुर (आरएनएस)। ताजनगर पुलिस चौकी में एक युवक ने महिला से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थिया की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार झंडा चौक पंडरी निवासी प्रार्थिया ममता कुर्रे 24 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी गेंडा ने ताजनगर पुलिस चौकी में प्रार्थिया को केस वापस ले लो कहते हुए गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थिया की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सट्टा खिलाते दो युवक पकड़ाए

रायपुर (आरएनएस)। विधानसभा पुलिस ने सट्टा खिलाते दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी सहित नकदी 910 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोंदेखुर्द में सट्टा खिलाते आरोपी होरीलाल पंकज 33 वर्ष और प्रवीण सोनवानी 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी सहित नकदी 910 रुपए जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

शराब बेचते दो महिला गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। धरसींवा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचते दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों महिला के पास से 132 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 850 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धरसींवा पुलिस ने ग्राम सांकरा में दबिश देकर अवैध शराब बेचते आरोपिया राधा टंडन 52 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 62 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 400 रुपए जब्त किया है। इसी तरह दूसरे मामले में पुलिस ने सिलतरा में दबिश देकर आरोपिया देवकी सिसोदिया 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 70 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 450 रुपए जब्त किया है। दोनों ही आरोपिया के खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

1 लाख 11 हजार 370 बच्चो को खिलाई जाएगी कृमि की दवा

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले में कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत आज शासकीय जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र से की गई। कार्यक्रम की शुरुआत स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा वर्चुअल माध्यम से की गई, जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीआर पुजारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस मंडल उपस्थित थे। ज्ञात है कि जिले में 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्कूलों में अल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। इस दौरान छूटे हुए बच्चों को माप अप राउंड के दौरान 15 फरवरी को दवा खिलाई जाएगी। वर्चुअल शुरुआत के पश्चात जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा बच्चों को दवा खिलाकर इसकी शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य शासकीय प्रशिक्षण केंद्र दीपाली मंडल, मीडिया अधिकारी अंकित सिंह, प्रशिक्षण केंद्र के समस्त शिक्षिकाएं स्टॉप एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

दुनिया की अनोखी प्रतिमा है भगवान राजीवलोचन

- श्रीराजीव लोचन भोजन करने उपस्थित होते है मिलते है प्रमाण
- अनेक चमत्कार भगवान राजीवलोचन से जुडी हुई है

राजिम (आरएनएस)। साक्षात भगवान विष्णु का स्वरूप राजीवलोचन मंदिर में श्रद्धालुगण दिन प्रतिदिन चमत्कार से रूबरू होते रहते है। जानकारी के मुताबिक पुरी दुनिया में ऐसी प्रतिमा नहीं मिलती जो राजिम शहर के प्राचीन मंदिर में स्थापित है। त्रिवेणी संगम तट पर राजीवलोचन मंदिर दो भागों में विभक्त है। पहले परिसर का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा की ओर है। द्वार पर दो गज सूड उठाकर स्वागतारत है। ललाट पर सिंह बैठे हुए है। आयताकार क्षेत्र के मध्य भगवान राजीवलोचन का विशाल मंदिर 7वी, 8वीं शताब्दी में बनाया गया है। राजा जगपाल देव ने विष्णु आज्ञा से विशाल मंदिर का निर्माण छने हुए कारीगर से करवाया और चतुर्भुजी श्यामवर्णी प्रतिमा स्थापित की। मंदिर के उत्तर, दक्षिण दिशा में आगमन एवं निर्गमन द्वार है। महामंडप खम्भों पर टिका हुआ है। प्रत्येक स्तंभ पर देवी-देवताओं की प्रतिमा प्रस्थापित है। द्वार पर ही गरूड़ देव दोनों हाथ जोडक़र बैठे हुए है। महामंडप में दो शीलालेख उत्कीर्ण है जिससे छश्रसगढ़ की इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है। मंदिर में परिक्रमा पथ है।

दिन में तीन बार बदलता भवगान राजीव लोचन का स्वरूप- गर्भगृह में भगवान विष्णु का स्वरूप राजीवलोचन विराजमान है। बतातें है कि इनका स्वरूप दिन में तीन बार बदलता है। सुबह बाल्यावस्था, दोपहर युवा तथा रात्रिकाल में प्रौढ़ा अवस्था को प्राप्त करते है। कुछ महिने पहले प्राईवेट टीवी

चैनल ने रूककर चमत्कार पर सर्वे किया। उन्होने पाया कि राजीवलोचन भगवान भोजन ग्रहण करने के लिए उपस्थित होते है। पात्र में परोसा गया भोजन को रखकर गर्भगृह का द्वार बंद कर दिया। कुछ देर बाद खोला तो अन्न के दाने बिखरे हुए थे। इसी तरह रात्रिकाल में शयन करने से पहले भगवान को तेल लगाने की परम्परा है। उनके लिए खाट बिछाया गया, बिस्तर भी लगा। द्वार बंद कर दिया गया। सुबह पट खुला तब बिस्तर बिखरा हुआ मिला तथा कपड़े पर तेल देखा गया।।

शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण- विष्णु सहस्त्रनाम में एक नाम राजीवलोचन अंकित है। भगवान राजीवलोचन अपने चारों हाथ में शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए हुए है पर्व-त्योहार तथा महत्वपूर्ण तिथियों में भगवान का विशेष रूप से श्रृंगार किया जाता है। बारह महीने में 24 रूप अलग-अलग रूप का जिक्र होता है।

राजिम में अनेक विष्णु मंदिर- राजिम में भगवान राजीवलोचन मंदिर के अलावा अनेक विष्णु मंदिर है जिनमें प्रमुख रूप से आयताकार वर्ग क्षेत्र के चारों कोण में चारोधाम स्थित है। जिनमें वराह अवतार, वामन अवतार, बद्रीनारायण अवतार, नृसिंह अवतार हैं। मंदिर के नीचे मे शाक्षी गोपाल मौजूद है। भगवान का विराट स्वरूप दीवाल पर अंकित है। द्वितीय परिसर में सूर्यनाराण भगवान, चतुर्भुजी भगवान विष्णु के लगभग 5 फिट ऊंची प्रतिमा, मंदिर समूह से बाहर सौ साल प्राचीन लक्ष्मीनारायण मंदिर 6वीं-7वीं शताब्दी में स्थापित रामचन्द्र देवल, छोटे राजीवलोचन मंदिर, गरियाबंद मार्ग में दत्तात्रेय मंदिर इत्यादि है।

राजीवलोचन के साथ जुड़ी राजिम भक्तिन तेलिन माता की कथा- प्रचलित कथा के अनुसार राजिम भक्तिन तेलिन माता अत्यंत सरल एवं सहज स्वभाव की थी। तेल बेचकर वह परिवार का पालन-पोषण करती थी। एक दिन तेल बेचने के लिए नदी से होकर दूसरे किनारे जा रही थी। अचानक एक पत्थर से ठोकर खाकर गिर गई। इससे पात्र में रखा सारा तेल बिखर गया। संभावित डांट फटकार के डर से रोने लगी। कुछ समय बाद आंसू पोंछकर घर आने के लिए बर्तन उठाकर देखा तो आवाक रह गई। उस पात्र में तेल लबालब भर गया था। खुशी-खुशी वह तेल बिक्री किया। वापस आकर पुरी जानकारी परिवार जनों को दी। दूसरे दिन तेली परिवार ने उस शीला को उठा कर घर ले आया। पूजा-पाठ से घर का माहौल भावभक्ति से ओतप्रोत हो गया। नरेश वीरवल जयपाल को पता चला और राजिम माता के पास प्रतिमा के लिए याचना किया। उन्होने कहा प्रतिमा को ले जाईये। उनकी बात को सुनकर नरेश बहुंत प्रसन्न हुआ और राजिम के मंशानुरूप प्रतिमा के साथ राजिम शब्द जोड़ दिया गया और उसी दिन से राजीवलोचन को राजिमलोचन कहा जाने लगा।

समय-समय पर राजिम का नाम बदला- राजिम नगरी को अत्यंत प्राचीन बताया जाता है। किंवदंती के अनुसार पहले इन्हें कमलक्षेत्र कहा जाता था। उसके बाद पद्मक्षेत्र फिर देवपुरी, राजीवनगर, छोटाकांशी, पंचकोशी धाम, हरिहर की नगरी, राजिम प्रमुख है। राजिम का प्राचीन नाम कमलक्षेत्र पद्मावती पुरी राजीवलोचन मंदिर के नदी जाने के रास्ते के द्वार पर आज भी अंकित है।

सोनपुरी पहुंचा हाथी का समूह, लोगों को दूर रहने की सलाह

कोरबा (आरएनएस)। हरदीबाजार क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथियों का झुंड अब सर्वमंगला मंदिर के समीप स्थित सोनपुरी गांव में पहुंच गया है और हसदेव नदी के किनारे तराई में डेरा डाल दिया है। आज सुबह हाथियों के दल को यहां पर मंडराते हुए देखा गया जिससे ग्रामीणों में अफरा.तफरी मच गई। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के साथ. साथ पुलिस को भी दी गई जिस पर वन विभाग के अधिकारी.कर्मचारी तथा पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गई है। वहीं हाथियों को देखने ग्रामीणों की भीड़ भी एकत्रित हो गई है। बड़ी संख्या में हाथियों के शहर के निकट आने से वन अमला अलर्ट हो गया है। क्षेत्र में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक हरदीबाजार क्षेत्र में विचरण कर रहा हाथियों का झुंड रात को जिला जांजगीर-चांपा की ओर निकल पड़ा था लेकिन रास्ते में ग्रामीणों द्वारा पटाखा फोड़ दिए जाने तथा हाथियों का रास्ता रोक दिए जाने से झुंड जंगल की ओर जाने की बजाय फिर से रिहायशी क्षेत्र की ओर रूख कर गया और आज तडक़े सर्वमंगला मंदिर के निकट स्थित ग्राम सोनपुरी पहुंच गया। गांव के आसपास विचरण करने के बाद सडक़ को पार करते हुए हसदेव नदी के किनारे डेरा डाल दिया। बताया जाता है कि सुबह जब बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी में नहाने पहुंचे तो वहां हाथियों को देखकर उनके होश उड़ गए। गांव में अफरातफरी मच गई। कई ग्रामीणों ने भागकर जान बचाई और तत्काल इसकी सूचना वन विभाग व पुलिस को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी.कर्मचारी तथा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों की निगरानी में जुटने के साथ ही आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया। कोरबा शहर के नजदीक स्थित गांव में हाथियों के झुंड आ जाने से दहशत की स्थिति देखी जा रही है। वहीं हाथियों को देखने के लिए मौके पर लोगों का मजमा लग गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग व पुलिस की टीम लोगों को समझाईश दे रही है। ग्रामीणों की भीड़ देखकर वन विभाग के साथ ही पुलिस भी परेशान है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हाथियों का झुंड हसदेव नदी की तराई पर बैठे हुए हैं और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। जानकारी यह भी मिली है कि हाथियों के झुंड में कुल 11 हाथी शामिल हैं जिसमें एक बेबी एलीफेंट भी है। यह झुंड बीती रात जांजगीर.चांपा के जंगल की ओर जाने वाला था और छातापाठ के करीब भी पहुंच गया था लेकिन ग्रामीणों ने रात को इस कदर पटाखा फोड़ा कि हाथियों ने रास्ता ही बदल दिया और कोरबा शहर के करीब सोनपुरी गांव में पहुंच गया। डीएफओ भी मौके पर पहुंचे आज सुबह 6.30 बजे जब हाथियों के झुंड के शहर के नजदीक आने की जानकारी कोरबा डीएफओ अरविंद पी.एम. को मिली तो वे तत्काल मौके पर पहुंचे और काफी देर तक वहां उपस्थित रहकर लोगों को हाथियों से दूर रहने की सलाह देते हुए अपने मातहतों को निगरानी संबंधी निर्देश देते रहे। वहीं वन विभाग के अधिकारी समेत 15 का अमला तथा उरगा थाने से एएसआई उइके के नेतृत्व में पुलिस बल घटना स्थल पर ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए जुटा हुआ है जबकि ग्राम सोनपुरी सर्वमंगला चौकी क्षेत्रांतर्गत होने के कारण चौकी प्रभारी कृष्णा साहू के निर्देशन में प्रधान आरक्षक क्रमश: लक्ष्मी प्रसाद रात्रे तथा सिलवेस्टर मिंज एवं नगर सैनिक सुखनंदन टंडन भी तडक़े 6 बजे से वहां लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

मोटरसाइकिल की डिग्गी तोड़कर चोरों ने किया 50 हजार पार

- चश्मा खरीदना किसान को पड़ा महंगा

कोरबा (आरएनएस)। बैंक से रकम रकम निकालकर जाते समय कोसाबाड़ी में गाड़ी रोककर सडक़ किनारे चश्मा खरीदना एक किसान को महंगा पड़ गया। मौका पाकर उसके गाड़ी की डिग्गी से चोरों ने 50 हजार रुपया पार कर दिया।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कोसाबााडी का है। ग्राम कटकोना निवासी किसान जेठ सिंह अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल गाड़ी में सवार होकर अपने धान की बेची गई रकम आहरण करने के लिए कोरबा आया था। यहां पुराना बस स्टैंड स्थित जिला सहकारी बैंक में उसने बैंक से 50 हजार रुपया का आहरण किया। फिर शाम को घर वापस लौटते समय कोसाबाड़ी चौक के अपनी गाड़ी खड़ी कर चश्मा खरीदने चला गया। इसी बीच अज्ञात चोरों ने उसकी गाड़ी की डिक्की को तोडक़र उसमें से रकम की चोरी कर ली थी। जानकारी के मुताबिक अज्ञात गिरोह द्वारा बैंक से ही उसका पीछा किया जा रहा था और जैसे ही किसान चश्मा खरीदने रुका तो के अज्ञात चोरों ने डिक्की तोडक़र रकम की चोरी कर ली। किसान की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ने खोरपा में जयराम साहू के घर स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन का लिया आनंद

- खाने में परोसा गया मुनगा-बड़ी और बोहार भाजी की सब्जी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत आज अभनपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम खोरपा पहुंचे। मुख्यमंत्री ग्राम खोरपा में अपने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के पहले जयराम साहू के आतिथ्य में भोजन के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री का जयराम साहू के परिवारजनों ने पुष्प-गुच्छ तथा गमछा भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ अभनपुर विधायक धनेंद्र साहू उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने साहू परिवार के सदस्यों द्वारा सादगी के साथ परोसे गए स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन का आनंद लिया। परिवार ने पूरी आत्मीयता के साथ मुख्यमंत्री को भोजन में चावल, दाल, रोटी के साथ मुनगा-बड़ी और बोहार भाजी की सब्जी परोसा। वहीं खट्टा भिंडी और लाल भाजी का भी लुफ्त उठाया। मुख्यमंत्री ने स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी भोजन के लिए जयराम साहू और उनके परिजनों को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री को परिवार के बीच बैठकर भोजन करते देखकर परिवारजन खुशी से गदगद हो गए। मुख्यमंत्री को जयराम साहू ने बताया कि वह भूमिहीन कृषक है। उन्हें राज्य सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का लाभ मिल रहा है। अब तक तीन किस्त मिल चुका है।

चार सूत्रीय मांगो को लेकर नर्सिंग स्टाफ ने किया प्रदर्शन

कोरबा (आरएनएस)। चार सुत्रीय मांगो को लेकर मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल की स्टाफ नर्स आंदोलन की राह पर चल पड़ी है। वेतन में बढोत्तरी के साथ ही कर्मचारियों की कमी को लेकर उन्होंने चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने का निर्णय लिया है जिसके तहत पहले दिन उनके द्वारा काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। मांगे पूरी नहीं होने की स्थिती में 15 फरवरी से वे सामुहिक अवकाश पर चली जाएंगी।

मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में कार्यरत स्टाफ नर्सेज ने अपनी मांगों पर गंभीरता नही

दिखाने से कुपित होकर स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलने की मानसिकता बनायी है। वेतन में बढोत्तरी के साथ ही नर्सो की कमी सहित चार सुत्रीय मांगो को को लेकर उनके द्वारा काली पट्टी लगाकर अस्पताल परिसर में एक घंटे तक प्रदर्शन किया गया। अगले दो दो दिनों तक उनके द्वारा इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसी के साथ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। तय किया गया है कि 15 फरवरी से सभी सामुहिक अवकाश पर चली जाएंगी। स्टाफ नर्स का कहना है, कि महंगाई के इस दौर में उनका वेतन आज भी काफी कम है। चिकित्सक अगर हड़ताल करते हैं, तो उनके वेतन में बढोत्तरी कर दी जाती है लेकिन नर्सो की मांगो पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जाता। इसी तरह प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज तो खोला जा रहा है लेकिन नर्सों की भर्ती को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है जिसके कारण उन्हें अतिरिक्त ड्युटी करनी पड़ती है। व्यवस्थागत खामियों को लेकर बताया गया है कि 40 मरीजों के पीछे केवल एक नर्स ही है। नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि भत्तों में बढोत्तरी के साथ ही पदनाम में भी बदलाव की मांग उनके द्वारा की जा रही है। स्टाफ नर्स एक तरह से अस्पताल के रीढ़ की हड्डी हैं अगर वे हड़ताल पर चली जाएंगी तो स्वास्थ्य सुविधा पूरी तरह से ठप्प हो सकती है। आंदोलन से बचने के लिए विभाग क्या कुछ कदम उठाता है, इसका इंतजार है।

4000 गरीब बच्चों ने छोड़ा स्कूल, शासन ने दिए जांच के आदेश

राजनांदगांव (आरएनएस)। शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत वर्ष 2010 से लेकर 2022 तक कितने बच्चे किस प्रायवेट स्कूल में अध्ययनरत् है और अब तक कितने बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया, इसकी जानकारी जब जिला शिक्षा अधिकारी ने देने से इंकार कर दिया तो छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने इसकी लिखित शिकायत कलेक्टर से की, लेकिन कलेक्टर ने भी जांच कराने में कोई रूचि नहीं दिखाया तो इसकी लिखित शिकायत संयुक्त संचालक दुर्ग संभाग से की गई, लेकिन उन्होंने ने भी स्वयं जिला शिक्षा अधिकारी को जांच करने का निर्देश दे दिया, जिसकी जांच नहीं की गई, तो पॉल ने इसकी लिखित शिकायत प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग से कर जिले के आरटीई बच्चों की विस्तृत जांच कराने की मांग की गई थी, जिस पर अब शासन ने डीपीआई को जांच कर शासन को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

श्री पॉल का कहना है कि वर्ष 2010 से लेकर 2022 तक लगभग 4000 गरीब बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया, जिसमें कोरोना काल में लगभग 1664 गरीब बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, लेकिन शिक्षा विभाग इस जानकारी को छिपाने में लगा हुआ है। दो बार विधानसभा में झूठी जानकारी दी गई, क्योंकि प्रतिपूर्ति राशि भुगतान करने में भारी फर्जीवाड़ा किया गया है। कोरोना काल में मनमाने तरीके से प्रायवेट स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि का सत्यापन कर डीपीआई भेजा गया और डीपीआई ने जो जानकारी डीईओ कार्यालय से सत्यापित होकर आया था, उसके अनुसार प्रायवेट स्कूलों के खातों में राशि ट्रांसफर कर दिया, चूंकि अब शाासन स्तर पर जांच के आदेश दिए गए है, तो जिले में आरटीई घोटाले की परत खुलना तय है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

दर्री डैम में कूदकर युवक ने की खुदकुशी : मां को फोन पर कहा-आई लव यू , सुसाइड नोट में किया असफलता का जिक्र

कोरबा (आरएनएस)। जिले में एक युवक ने दर्री डैम में कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक बुधवार को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसने 8 फरवरी की शाम को अपने पिता के मोबाइल पर कॉल किया था। उसने पिता से फोन का स्पीकर चालू करने की बात कही, फिर अपनी मां को मोबाइल के पास बुलवाया और मां आई लव यू कहकर दर्री डैम में छलांग लगा दी। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि ग्राम नकटीखार में सीएसईबी के सेवानिवृत्त कर्मचारी गोविंद राठौर अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहते हैं। उनके 27 वर्षीय बेटे देवेंद्र राठौर ने आईटीआई की पढ़ाई की थी। वो सरकारी नौकरी की भी तैयारी कर रहा था, जिसमें उसे लगातार असफलता हासिल हो रही थी, वहीं वो आगे की पढ़ाई रायपुर में करना चाहता था, लेकिन ये काम भी नहीं हो रहा था, जिसके कारण वो हताश हो गया था। पुलिस को युवक की बाइक से 5 पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि मुझे हर काम में असफलता मिल रही है, जिससे मैं निराश हो गया हूं। मेरा किसी भी काम में मन नहीं लग रहा है। मैं जीना नहीं चाहता, मैं तीसरी बार खुदकुशी करने की कोशिश कर रहा हूं। पुलिस ने कहा कि दर्री डैम के पास देवेंद्र ने अपनी बाइक खड़ी की और चाबी को अपनी पॉकेट में रखा। इसके बाद उसने पिता को फोन लगाया और स्पीकर पर मां से बात की। उसने कहा कि मैं दर्री डैम में कूदकर आत्महत्या करने जा रहा हूं। गाड़ी को डैम के पास से ले लीजिएगा। अपनी मां से उसने कहा. आई लव यूए मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं, सॉरी मुझे माफ करना।

इसके बाद परिजनों ने तुरंत दर्री थाना पुलिस को इस बारे में सूचना दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोताखोरों को डैम में उतारा, लेकिन लाश नहीं मिल सकी। शुक्रवार शाम को शव को ढूंढा जा सका। शव को डैम से निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। दर्री पुलिस जांच में जुटी है कि आखिर युवक ने किन परिस्थितियों में आत्महत्या की है। परिजनों ने बताया कि बुधवार को देवेंद्र घूमने का कहकर घर से निकला था और शाम को फोन पर उससे आखिरी बात बात हुई, जिसमें उसने सुसाइड करने का जिक्र किया। युवक का कॉल बुधवार शाम 7 बजकर 10 मिनट पर आया था। एएसआई ललित जायसवाल ने बताया कि बाइक की डिग्गी से सुसाइड नोट मिला है, जिसकी जांच की जा रही है।